नए शब्द

लाघव चिह्न
किसी बड़े शब्द को संक्षिप्त रूप से प्रकट करने वाला चिह्न

अभिव्यक्ति
प्रकट करना

उद्धरण चिह्न
कही गई बात को ज़्यों की त्यों प्रकट करने वाला चिह्न

चिह्न
संकेत

योजक चिह्न
दो शब्दों को जोड़ने वाला शब्द

विस्मयादिबोधक चिह्न
आश्चर्य, हर्ष, शोक आदि भावों को प्रकट करनेवाला चिह्न

Scanned by CamScanner

विराम-चिह्न

नदी के किनारे एक वृक्ष पर एक बंदर रहता था। वह दिन भर डालियों पर झूलता, कूदता और जी भरकर फल खाता रहता था। उसने नदी में रहने वाले मगरमच्छ से कहा, "अरे भाई, ये लो फल खाओ!" मगरमच्छ ने फल खाकर कहा, "वाह! ये तो बड़े मीठे फल हैं!" दोनों में मित्रता हो गई। बंदर ने मगरमच्छ को उसकी पत्नी के खाने के लिए भी फल दिए; उसे लगा कि मीठे फल खाकर दोनों बहुत खुश हो जाएँगे।

मगरमच्छ की पत्नी ने पूछा "किसने दिए ये फल? उसे घर ले आओ, जो रोज़ इतने मीठे फल खाता है, उसका कलेजा भी बहुत मीठा होगा।" पति-पत्नी दोनों अगले दिन का इंतजार करने लगे। मगरमच्छ बंदर को अगले दिन अपनी पीठ पर बैठाकर नदी के रास्ते चल पड़ा।

रास्ते में 'मूर्ख' मगरमच्छ ने बंदर को सब कुछ बता दिया। बंदर ने कहा, "मित्र, मेरा कलेजा तो डॉ॰ हाथी ने कल ही पेड़ पर रखवा दिया है। चलो, लौटकर उठा लाएँ।" मगरमच्छ उसकी बातों में आ गया। वापस पहुँचकर बंदर पेड़ पर चढ़ गया और बोला, "दुष्ट, मित्र के साथ धोखा करता है! जा! आज से मेरी-तेरी मित्रता खत्म।" इस तरह बंदर ने धोखेबाज मित्र से अपनी रक्षा की।

उपरोक्त कहानी में विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हुए बंदर व मगरमच्छ के बीच हुई बातचीत को प्रस्तुत किया गया है। आइए, विराम-चिह्नों को समझें।

परिभाषा

विराम का अर्थ है–रुकना। लेखन या कही गई बात में स्पष्टता व प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति लाने के लिए विराम-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। व्याकरण में विराम-चिह्नों को लेखन के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है।

Scanned by CamScanner